प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

06.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

कफ सिरप

केन्द्र ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कफ सिरप का विवेकसम्मत उपयोग सुनिश्चित करने को कहा है। केन्द्र ने कहा कि सामान्य खांसी के लिए किसी अलग औषधि की आवश्यकता नहीं होती, यह अपने आप ठीक हो जाती है। केन्द्र ने कुछ राज्यों में संदूषित कफ सिरप से हाल में बच्चों की मौत की घटनाओं को देखते हुए औषधि विनिर्माताओं द्वारा संशोधित विनियमों का कड़ाई से अनुपालन पर बल दिया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों की उच्च–स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक में औषधि गुणवत्ता विनियमों के अनुपालन की समीक्षा की गई और विशेष रूप से बच्चों में कफ सिरप के विवेक सम्मत उपयोग पर जोर दिया गया। हिमाचल प्रदेश के बद्दी में बनी कफ सिरप के स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पांच कंपनियों और दवा विक्रेताओं के सैंपल उठाए थे। ये सैंपल सही पाए गए हैं। इससे पहले, केन्द्रीय स्वास्थ् मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस मुद्दे की समीक्षा की थी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के साथ इस मुद्दे पर विचार–विमर्श का निर्देश दिया था।

कुल्लू दशहरा

अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा की चौथी सांस्कृतिक संध्या में कल लाल चंद प्रार्थी कला केन्द्र में संध्या का आगाज कुल्लवी नाटी से हुआ। इसके अलावा स्थानीय तथा प्रदेश के अन्य ज़िलों से आए लोक कलाकारों ने अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान मुख्यातिथि के रूप में मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ उपस्थित रहे। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे कुल्लू जिला संवाददाता

कुल्लू में इन दिनों दशहरे की धूम है तथा आज मेले का पांचवा दिन है स बीते दिनों आई आपदा के चलते इस बार दशहरा बहुत ही सादगी से मनाया जा रहा है तथा विदेश से किसी भी सांस्कृतिक दल को मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है स लाल चाँद प्रार्थी कलाकेंद्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तो हो रहे है परन्तु उनमे सिर्फ प्रदेश के व् स्थानीय लोक कलाकार ही दर्शको का मनोरंजन कर रहे है स चौथी सांस्कृतिक संध्या में जहां स्टार कलाकार कुमार साहिल व् ममता भारद्वाज के कार्यक्रम ने दर्शको का भरपूर मनोरंजन किया वही पांचवी संध्या में प्रसिद्द पहाड़ी गायक रमेश ठाकुर अपना कार्यक्रम पेश करेंगे वही फिरदौस बैंड भी अपनी प्रस्तुति देगा।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में रुक–रुक कर बारिश हो रही है, जबकि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों की उंची चोटियों पर हल्का हिमपात हुआ है। मौसम विभाग ने आज राज्य के अनेक क्षेत्रों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जबकि 7 अक्तूबर को यलो अलर्ट जारी किया है। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे शिमला जिला संवाददाता

हिमाचल प्रदेश में बदले मौसम के मिजाज से शनिवार से प्रदेश के कई स्थानों में बारिश का सिलसिला जारी रहा है वहीं लाहौल स्पीति, रोहतांग दर्रा और अटल टनल मनाली में इस दौरान सीजन की पहली बर्फबारी भी देखने को मिली। ऐसे में ऊंची चोटियों पर हुई बर्फबारी के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई जिससे लोग ठंड की चपेट में आ गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला आज प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है जबकि ऊंची चोटियों में बर्फबारी के आसार हैं। वहीं कल 7 और 8 अक्टूबर को कई क्षेत्रों में हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। आकाशवाणी समाचार के लिए शिमला से योगराज शर्मा।

जीएसटी सुधार– हिमाचल प्रदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी बचत उत्सव की घोषणा की थी जो 22 सितंबर से शुरू हुआ है। यह पूरे देश में लाभकारी साबित हो रहा है। इसी कड़ी में पेश है हिमाचल प्रदेश के उद्योगों पर जीएसटी सुधारों के प्रभाव की। एक रिपोर्ट–

नये जीएसटी सुधारों ने हिमाचल प्रदेश के कारीगरों, किसानों और औद्योगिक क्षेत्रों को बड़ी राहत प्रदान की है। हाथ से बुने हुए शॉल, हिमाचली टोपी और हस्तशिल्प निर्मित वस्तुओं पर जीएसटी को पहले के 12 प्रतिशत से घटाकर अब 5 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार के इस कदम से पारंपरिक वस्तुएँ और अधिक किफायती हुई हैं तथा कारीगरों और शिल्पकारों की आय में सुधार हुआ है। वहीं चमड़े की चप्पलें, लकड़ी से बने हुए समान और मिट्टी और धातु के बर्तन भी 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत रखे गये हैं। इसके साथ ही, शिमला और आसपास के किसानों को सेब रखने और भेजने की सामग्री पर कम जीएसटी का लाभ मिला है। जिससे लागत में कमी आई है और फसल के मौसम में हजारों किसानों को मदद मिलने की उम्मीद है। संशोधित जीएसटी दरों का उद्देश्य छोटे कारीगरों और बुनकरों को राहत देने के साथ ही किसानों और कारखाना श्रमिकों के लिए नए अवसर पैदा करना भी है। जीएसटी में कटौती से लोगों की आजीविका मजबूत होगी और हिमाचल प्रदेश के बाजार और समृद्ध बनेंगे।